कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 03 भाग 08, (जनवरी, 2024)
पृष्ठ संख्या 47

गेहूं में जिंक के साथ सल्फर का महत्व

डॉ मो. असद, पतिराम एवं राकेश कुमार
[1]सहायक प्रोफेसर (कृषि विभाग)
[2]शोध विद्वान, [3]एम.एससी. (कृषि विभाग)
श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़, राजस्थान, भारत।
Email Id: moasad452@gmail.com

किसी भी फसल में जिंक और सल्फर का काफी ज्यादा महत्व रहता है। दोनों का आपस के अंदर एक गहरा संबंध रहता है। अगर आप जिंक प्रयोग कर रहे हो और उसके साथ अपने सल्फर का प्रयोग नहीं किया। तो आपकी जिंक पौधे को नहीं लगेगी। इसका मुख्य कारण क्या होता है, आगे इस लेख में संपूर्ण जाने की जिंक और सल्फर का आपस में क्या संबंध है। और यह हमारी फसलों के लिए किस प्रकार से लाभदायक हैं।

जिन खेतों में मिट्टी का पीएच 8 से ऊपर होता है। उन खेतों में आपकी जिंक मात्र 15 से 20 प्रतिशत तक ही कार्य करती है। अगर आपकी मिट्टी का पीएच लेवल 5 से 7.5 के बीच है। तो जिंक की आपको अच्छे रिजल्ट देखने को मिलेंगे और आपके खेत में जिंक लगभग 60 से 70 प्रतिशत तक कार्य करेगी। जिंक का प्रयोग मिटटी के हिसाब से करना चाहिए।

जिंक के प्रकार

जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट– इसमें जिंक 33 प्रतिशत और सल्फर 15 प्रतिशत पाई जाती है

जिंक सल्फेट हेप्टाहाइड्रेट– इसमें जिंक 21 प्रतिशत और सल्फर 10 प्रतिशत पायी जाती है।

जिंक और सल्फर का एक साथ प्रयोग क्यों करना चाहिए।

सल्फर के बिना जिंक कभी नहीं बनती, बाजार में जब भी आप कोई जिंक प्रोडक्ट देखते हो, तो उसमें सल्फर की मात्रा पाई ही जाती है। इसका मुख्य कारण है, की सल्फर आपकी मिट्टी के पीएच लेवल को कम कर देती है। जिससे जिंक आपके पौधों को पूरी तरह से मिल जाती है। क्योंकि अधिक पीएच वाली मिट्टी में जिंक कम मात्रा में घूमती है। और पौधा उसे सही से नहीं उठा पाता। जिससे किसानों को जिंक का पूरा लाभ नहीं मिलता। इसलिए कई बार जिंक डालने के बाद भी खेतों में जिंक की कमी पूरी नहीं होती।

जब भी आप जिंक का प्रयोग करते हैं। तो उसके साथ 3 किलोग्राम पाउडर वाली या फिर 10 किलोग्राम दानेदार सल्फर का प्रयोग अवश्य करें। जिससे आपको जिंक का पूरा लाभ मिल सके। जिंक पौधे के हरे भाग को बढ़ाता है, और सल्फर पौधे में प्रोटीन की मात्रा को बढ़ाता है। जिससे आपको इसके पौधे पर अधिक अच्छे रिजल्ट देखने को मिलते हैं। अगर आपकी मिटटी का ची लेवल सही है, तो आप बिना सल्फर के भी जिंक का प्रयोग कर सकते हो।

सल्फर और जिंक को मिलाने से क्या होता है?

सल्फर और जिंक मिलाने से पौधा जिंक को जल्दी उठा लेता है। जिससे जिंक का किसानों को पूरा रिजल्ट मिलता है।अतिरिक्त उपलब्ध जिंक शुरुआती सीजन के प्रदर्शन में सुधार करता है, जिससे गेहूं की पैदावार में वृद्धि हो सकती है। यहां तक कि जब किसी पौधे को नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम और पानी के मैक्रोन्यूट्रिएंट्स मिलते हैं, तब भी जिंक की कमी पौधों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने से रोक सकती है। जिंक सल्फेट ने पत्ती क्षेत्र सूचकांक, उपजाऊ टिलर की कुल संख्या एम –2, स्पाइकलेट स्पाइक की संख्या –2, स्पाइक की लंबाई, अनाज स्पाइक –2, हजार अनाज का वजन, अनाज की उपज, भूसे की उपज और जैविक उपज में वृद्धि होती है

पौधों में जिंक सल्फेट की कमी के लक्षण

जिंक की कमी पौधों के विकास में जल्दी दिखाई देती है। युवा मकई और ज्वार के पौधे पत्ती के आधार के पास से शुरू होकर पत्ती की मध्य शिरा के दोनों किनारों पर सफेद से पारभासी ऊतक की एक विस्तृत पट्टी प्रदर्शित करते हैं। आम तौर पर इसका विस्तार सिरे तक नहीं होता या मध्यशिरा और बाहरी किनारा हरा रहता है।